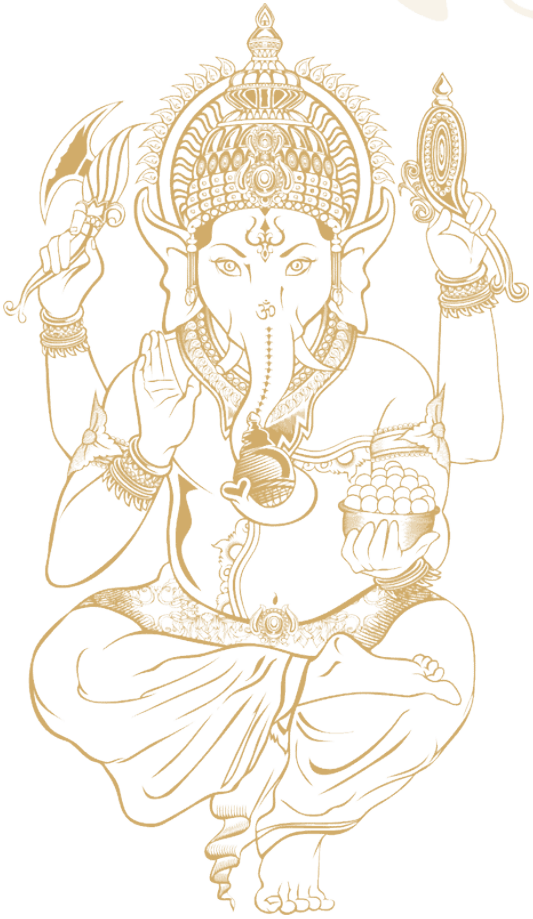

Beby

13 Apr 2026

11:16 AM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121926902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13/04/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:16:00 घंटे**
इष्ट	12:48:57 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:49:36 घंटे
वेलान्तर	-00:00:34 घंटे
साम्पातिक काल	00:15:20 घंटे
सूर्योदय	06:08:25 घंटे
सूर्यास्त	18:45:55 घंटे
दिनमान	12:37:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:05:25 मीन
लग्न के अंश	18:37:57 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शुभ
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:37:57	319:57:22	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			मीन	29:05:25	00:58:50	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	04:03:36	13:00:52	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मीन	08:26:16	00:46:38	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मीन	03:09:32	01:20:49	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	नीच राशि
गुरु			मिथु	22:33:40	00:05:55	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	22:26:24	01:13:25	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि		अ	मीन	12:49:51	00:07:18	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु			कुंभ	13:53:49	00:00:58	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	13:53:49	00:00:58	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:06:23	00:02:59	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:25:46	00:02:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:09:23	00:00:39	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			मीन	09:57:11	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

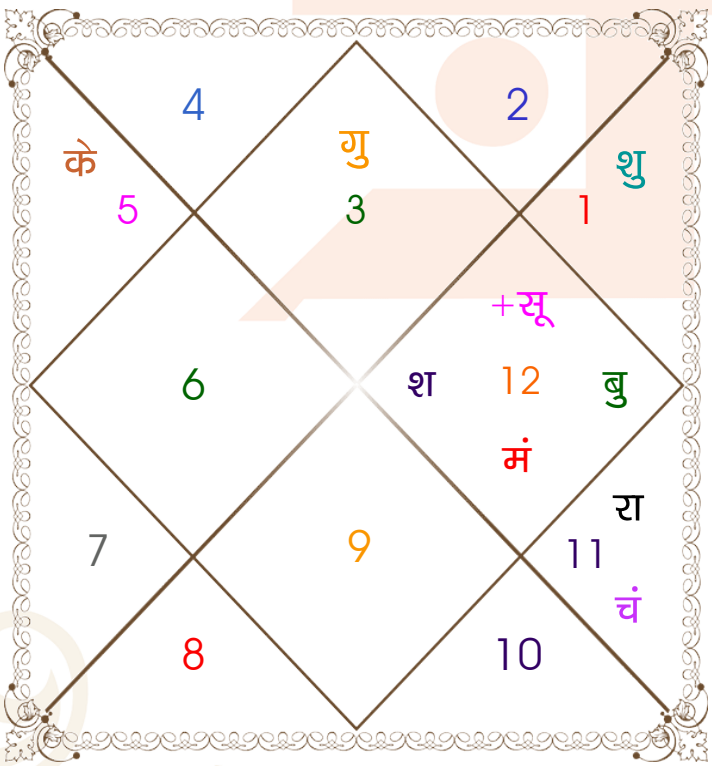

चन्द्र कुंडली

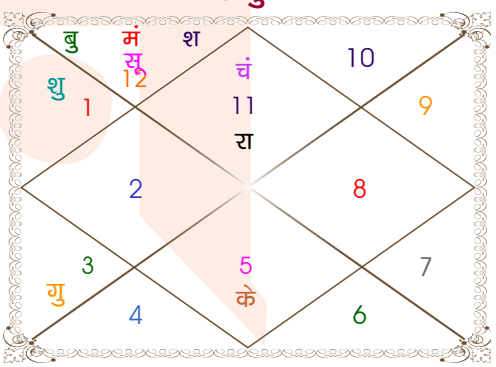

नवमांश कुंडली

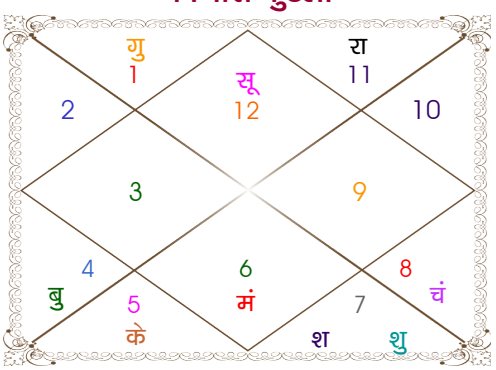

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 4 मास 12 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/04/2026		26/08/2027		25/08/2045		25/08/2061		25/08/2080	
26/08/2027		25/08/2045		25/08/2061		25/08/2080		25/08/2097	
	00/00/0000	राहु	08/05/2030	गुरु	14/10/2047	शनि	28/08/2064	बुध	22/01/2083
	00/00/0000	गुरु	01/10/2032	शनि	26/04/2050	बुध	08/05/2067	केतु	19/01/2084
	00/00/0000	शनि	08/08/2035	बुध	01/08/2052	केतु	16/06/2068	शुक्र	19/11/2086
	00/00/0000	बुध	24/02/2038	केतु	08/07/2053	शुक्र	17/08/2071	सूर्य	25/09/2087
	00/00/0000	केतु	14/03/2039	शुक्र	08/03/2056	सूर्य	29/07/2072	चंद्र	24/02/2089
	13/04/2026	शुक्र	14/03/2042	सूर्य	25/12/2056	चंद्र	27/02/2074	मंगल	21/02/2090
शुक्र	19/09/2026	सूर्य	06/02/2043	चंद्र	26/04/2058	मंगल	08/04/2075	राहु	09/09/2092
सूर्य	25/01/2027	चंद्र	07/08/2044	मंगल	02/04/2059	राहु	12/02/2078	गुरु	16/12/2094
चंद्र	26/08/2027	मंगल	25/08/2045	राहु	25/08/2061	गुरु	25/08/2080	शनि	25/08/2097

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/08/2097		26/08/2104		26/08/2124		27/08/2130		26/08/2140	
26/08/2104		26/08/2124		27/08/2130		26/08/2140		00/00/0000	
केतु	21/01/2098	शुक्र	27/12/2107	सूर्य	14/12/2124	चंद्र	27/06/2131	मंगल	22/01/2141
शुक्र	24/03/2099	सूर्य	26/12/2108	चंद्र	14/06/2125	मंगल	26/01/2132	राहु	10/02/2142
सूर्य	29/07/2099	चंद्र	27/08/2110	मंगल	20/10/2125	राहु	27/07/2133	गुरु	17/01/2143
चंद्र	27/02/2100	मंगल	27/10/2111	राहु	14/09/2126	गुरु	26/11/2134	शनि	25/02/2144
मंगल	27/07/2100	राहु	26/10/2114	गुरु	03/07/2127	शनि	26/06/2136	बुध	22/02/2145
राहु	14/08/2101	गुरु	26/06/2117	शनि	14/06/2128	बुध	26/11/2137	केतु	21/07/2145
गुरु	21/07/2102	शनि	26/08/2120	बुध	20/04/2129	केतु	27/06/2138	शुक्र	14/04/2146
शनि	30/08/2103	बुध	27/06/2123	केतु	26/08/2129	शुक्र	25/02/2140		00/00/0000
बुध	26/08/2104	केतु	26/08/2124	शुक्र	27/08/2130	सूर्य	26/08/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 4 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।